गोल 2.0

प्रलिम्सि के लयि:

गोल कार्यक्रम, डजिटिल प्रौद्योगकिी, प्रधानमंत्री कौशल वकिास योजना, ई-स्कलि इंडयिा पोर्टल, समग्र शक्िषा

मेन्स के लयि:

भारतीय समाज के लयि डजिटिल सशक्तीकरण का महत्त्व, संबंधति सरकारी पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **जनजातीय मामलों के मंत्रालय और मेटा (पूर्व में फेसबुक) ने गोल प्रोग्राम (GOAL 2.0)** का दूसरा चरण शुरू कयिा है।

GOAL कार्यक्रम:

- **GOAL (गोइंग ऑनलाइन एज़ लीडर्स)** कार्यक्रम को मई 2020 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू कयिा गया था और यह दसिंबर 2021 में पूरा हुआ।
- इसका उद्देश्य मेंटॉर (सलाहकार या प्रशक्षिण देने वाला) और मेंटी (प्रशक्षिु) की अवधारणा के माध्यम से जनजातीय युवाओं व महलिाओं का डजिटिल सशक्तीकरण करना है।
- **यह कार्यक्रम पूरी तरह से मेटा (फेसबुक इंडयिा) द्वारा वति्तपोषति है।**
- इस चरण में प्रशक्षिुओं को तीन पाठ्यक्रम आधारों में प्रशक्षिण प्रदान कयिा गया था।
    - संचार व जीवन कौशल
    - डजिटिल उपस्थतिि को सक्षम बनाना
    - नेतृत्व व उद्यमता

GOAL 2.0:

- **परचिय:**
    - GOAL 2.0 कार्यक्रम जनजातीय समुदाय के सभी लोगों के लयि खुला है।
        - चरण- I में एक प्रशक्षिक को दो प्रशक्षिकों से जोड़कर ऑनलाइन डजिटिल मेंटरशपि प्रदान की गई।
- **उद्देश्य:**
    - इस कार्यक्रम का उद्देश्य फेसबुक लाइव सत्र और एक डजिटिल शक्षिण उपकरण- मेटा बज़िनेस कोच के माध्यम से जनजातीय युवाओं के कौशल को बढ़ाना और उन्हें डजिटिल रूप में सक्षम बनाना है।
    - 50,000 **वन धन स्वंय सहायता समूहों** के 10 लाख से अधकि सदस्यों पर वशिेष फोकस रहेगा।
        - उन्हें अपने उत्पादों की बाज़ार मांग, पैकेजगि, ब्रांडगि और वपिणन के संबंध में डजिटिल रूप से प्रशक्षिति कयिा जाएगा।
    - GOAL 2.0 के तहत वभिन्नि क्षेत्रों के उद्योग **वशिेषज्ञों द्वारा क्रमकि सत्रों के आधार पर प्रशक्षिुओं की आवश्यकताओं के अनुरूप चैटबॉट के प्रावधान** के साथ जनजातीय युवाओं को प्रशक्षिण प्रदान कयिा जाएगा ताकि वे अधकितम भागीदारी के साथ लाभान्वति हो सकें।
- **शामलि एजेंसयिाँ:**
    - इलेक्ट्रॉनकिी और सूचना प्रौद्योगकिी मंत्रालय के समन्वय से जनजातीय कार्य मंत्रालय इस कार्यक्रम के तहत चुने गए 175 एकलव्य मॉडल आवासीय वदि्यालयों (EMRS) में से प्रत्येक में 6 डजिटिल कक्षाएँ संचालति करेगा।
    - यह परयिोजना ERNET की ओर से कार्यान्वति की जा रही है जो इलेक्ट्रॉनकिी एवं और सूचना प्रौद्योगकिी मंत्रालय (**MeITY**) के तहत एक स्वायत्त संगठन है।

कौशल वकिास के लयि कुछ अन्य पहलें:

- **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):**
  - स्किल इंडिया मिशन के तहत **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)** इस योजना को लागू कर रहा है।
  - PMKVY 3.0 के तहत डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं उद्योग 4.0 पर कौशल विकास हेतु भी ध्यान दिया गया है।
  - क्षेत्र कौशल परिषदों (SSC) ने नई और उभरती डिजिटल तकनीकों व उद्योग 4.0 कौशल जैसे **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** और **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)** में भी रोज़गार का सृजन किया है।
- **ई-स्किल इंडिया पोर्टल:**
  - MSDE के तत्त्वावधान में **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)** ने eSkill India पोर्टल के माध्यम से **ऑनलाइन कौशल कार्यक्रम** शुरू किया है।
  - यह मंच **साइबर सुरक्षा**, **ब्लॉकचेन**, **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, सांख्यिकीय व्यापार विश्लेषिकी, क्लाउड तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर सीखने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही डिज़ाइन विधि, परियोजना प्रबंधन और डिजिटल मार्केटिंग** जैसे पेशेवर कौशल भी प्रदान करता है।
- **समग्र शिक्षा:**
  - '**समग्र शिक्षा**' के **व्यावसायिक शिक्षा** घटक के तहत आने वाले स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के **आदिवासी छात्रों सहित स्कूली छात्रों के लिये राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम** पेश किये जाते हैं।
  - इसमें **संचार कौशल, स्व-प्रबंधन कौशल, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कौशल, उद्यमिता कौशल एवं हरित कौशल** शामिल हैं।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/goal-2-0